

Inhalt

| | | | |
|------------|--|------------|---------------------------------|
| 6 | Einleitung | 126 | Theorie und Wirklichkeit |
| | | 135 | BAUMMIETER |
| 8 | Jugend | 138 | BRIEFMARKEN |
| 16 | Paris | 152 | Gute Malerei |
| | | 154 | QUALITÄT UND DAUERHAFTIGKEIT |
| 34 | Gerade Linien | 155 | SALZBURGER FESTSPIELE |
| | | 156 | MORAL |
| 42 | Der frühe Stil | 158 | Gartenzwerge |
| | | 161 | RECYCLING DER TOTEN |
| 54 | Weitere Reisen | 165 | DIE ERSTE FAHNE |
| 58 | POLITIK UND PHANTASIE | 165 | SCHMUTZ |
| 64 | ÖKOLOGIE | 166 | NACHDENKEN ÜBER DAS BAUEN |
| 65 | DUNKELBUNT | 170 | ARCHITEKTURDOKTOR |
| 68 | Das stoffliche Leben | 180 | Das Hundertwasser-Haus |
| 71 | KUNST AUSSTELLEN | 183 | KÖNIGE |
| 75 | LEHRE | 187 | SCHLUSS-STEINE |
| 75 | TACHISMUS | 187 | PFLANZEN UND ARCHITEKTUR |
| 76 | DAS LEBEN DER MATERIALIEN | 188 | LEBEN IN DER WELT |
| 83 | DIE AVANTGARDE | 189 | NEUSEELAND |
| | | 190 | DIE ZUKUNFT |
| 86 | Ein Malerleben | 198 | Biographie |
| 92 | EINE EINSAME TÄTIGKEIT | | |
| 94 | HEIMKEHR | | |
| 103 | VERGANGENHEIT UND ZUKUNFT DER SCHÖNHEIT | | |
| 104 | Der reife Stil | | |
| 107 | FARBPARADIES | | |
| 110 | KÜNSTLERISCHES ERBE | | |
| 111 | REGENTAG | | |
| 115 | DAS IMAGE | | |
| 115 | KITSCH UND DAS FENSTERRECHT DER MIETER | | |
| 117 | DRUCKAUFLAGE: 10 000 | | |
| 125 | KUNST UND RELIGION | | |